मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MVS–013

वास्तुशास्त्र में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

(पी.जी.डी.वी.एस.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

एम.वी.एस.-013 : गृह एवं व्यावसायिक वास्तु

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र* **दो** *खण्डों में विभक्त है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गए निर्देश के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

भाग—क

निर्देश : निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। $3 \times 20 = 60$

1. शालाभेदों का सुविस्तृत परिचय देते हुए गृहों के प्रकारों पर चर्चा कीजिए।

2. 'गृहप्रवेश मुहूर्त' विषय पर सुविस्तृत प्रकाश डालिए।

3. वास्तुशान्ति की प्रविधि पर चर्चा करते हुए वास्तुदोषों पर ग्रन्थोक्त दिशा से विचार कीजिए।

4. गृह समीप रोपणीय वृक्षादि पर सुविस्तृत निबन्ध लिखिए।

5. व्यावसायिक वास्तु के अन्तर्गत औद्योगिक वास्तु पर सुविस्तृत प्रकाश डालिए।

6. गृहसज्जा के सिद्धान्तों पर सुविस्तृत चर्चा करते हुए जलव्यवस्था पर भी प्रकाश डालिए।

भाग—ख

निर्देश : निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। $4 \times 10 = 40$

7. वास्तुसम्मत रसोईघर एवं भोजनकक्ष पर प्रकाश डालिए।

8. गृहप्रवेश में वामरवि विचार करते हुए कुम्भचक्रविचार को सोदाहरण प्रस्तुत कीजिए।

9. जीर्णोद्धार की उपयोगिता एवं ऐतिह्य पर चर्चा प्रस्तुत कीजिए।

10. व्यापारिक प्रतिष्ठान के लिए वास्तुविचार पर प्रकाश डालिए।

11. चिकित्सालय के लिए वास्तु की उपयोगिता क्या है? वर्णन कीजिए।

12. कक्ष विन्यास के अन्तर्गत षोडश कक्षों के स्थान निर्धारण पर विस्तृत विमर्श प्रस्तुत कीजिए।

13. ध्रुवादि षोडश गृहों के लक्षणों पर प्रकाश डालिए।

14. छत एवं सोपान व्यवस्था पर वास्तुशास्त्रीय विमर्श प्रस्तुत कीजिए।

× × × × ×